साहित्य संभाव
दैनिक स्टेट समाचार

# साहित्य अकादमी नई दिल्ली का 'साहित्योत्सव - 2025'

## पदम श्री मोहन सिंह सलाथिया कहते हैं....

साहित्य अकादमी, भारत की राष्ट्रीय साहित्य अकादमी जिसका कार्यालय रवींद्र भवन, मंडी हाउस, नई दिल्ली में है, एक प्रमुख साहित्यिक संस्था है जो भारत में विभिन्न भाषाओं में लिखी जा रहे साहित्य को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से समर्पित है। इसकी स्थापना एक उद्देश्य के साथ की गई थी, जो 12 मार्च, 1958 को भारतीय संसद के सेंट्रल हॉल, नई दिल्ली में साहित्य अकादमी के औपचारिक उद्घाटन के दौरान भारत सरकार के तत्कालीन उपराष्ट्रपति श्री सर्वपल्ली राधाकृष्णन द्वारा दिए गए भाषण के अंशों से स्पष्ट है। उन्होंने कहा था, 'साहित्य अकादमी शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है। 'साहित्य' संस्कृत है और 'अकादमी' ग्रीक है। यह नाम हमारे सार्वभौमिक दृष्टिकोण और आकांक्षा को दर्शाता है। साहित्य एक साहित्यिक रचना है, अकादमी उन लोगों की एक सभा है जो इस विषय में रुचि रखते हैं। इसलिए साहित्य अकादमी उन सभी लोगों की एक सभा होगी जो रचनात्मक और आलोचनात्मक साहित्य में रुचि रखते हैं। इस अकादमी का उद्देश्य साहित्य में उल्लेखित प्रवर व्यक्ति यों को मान्यता देना, साहित्य में होनहार व्यक्तियों को प्रोत्साहित करना, जनता की रुचि को शिक्षित करना और साहित्य और साहित्यिक अन्वेषण के मानकों को सुधारना है।

साहित्य अकादेमी